राजा शिबी

एक बार इन्द्र ने राजा शिबी की दानशीलता की परीक्षा करने का निश्चय किया।इसके लिए इन्द्र ने एक कबूतर और अग्निदेव ने बाज का रूप धारण किया । बाज से बचने के प्रयास में कबूतर राजा शिबी की गोद में आ गिरा। अपने शिकार वापस देने को बाज ने तर्क उठाया।दानशील शिबी ने कबूतर के बदले अपना माँस काटकर दे दिया । इतने में कबूतर और बाज के रूप में आए ईश्वर अपने - अपने रूप में प्रकट हो गए और उन्होंने राजा शिबी को आशिर्वाद दिया ।